गंगा नदी के बेसिन प्रबंधन के लिए जिलास्तर पर प्रशिक्षक तैयार करेगा सीआइएमपी

नलिनी रंजन ● पटना

जागरण विशेष

- **नेशनल वाटर अकादमी, पुणे में दिया जाएगा प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण**
- **यूरोपीय देश के विशेषज्ञ भारत के लगभग 24 लोगों को करेंगे प्रशिक्षित**

गंगा नदी के बेसिन प्रबंधन के लिए गंगा के किनारे वाले जिलों में प्रशिक्षक तैयार किए जाएंगे। इसके बाद ये प्रशिक्षक गंगा से जुड़े क्षेत्र के आम लोगों को प्रशिक्षण देंगे। इसके लिए नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा (एनएमसीजी) देश भर में 24 मास्टर प्रशिक्षक तैयार करेगा, जिन्हें आगामी 29 अगस्त से दो सितंबर तक पुणे के नेशनल वाटर अकादमी, पुणे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। बिहार से इसके लिए चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) का मनोनयन किया गया है। यहां से निदेशक प्रो. राणा सिंह व प्रो. रंजीत तिवारी प्रशिक्षण लेने पुणे रवाना हो गए हैं। यह परिकल्पना केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की है। मंत्रालय ने विश्व में नदी बेसिन प्रबंधन की आधुनिकतम और आजमाई हुई तकनीक से प्रशिक्षुओं को अवगत कराने के लिए भारत और यूरोप के उच्चस्तरीय प्रशिक्षकों को बुलाया है। प्रारंभिक सत्र में इस कार्यक्रम के विजन और मिशन के बारे में बताया जाएगा। लक्ष्य और उद्देश्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

जर्मनी की संस्था पर क्रियान्वयन का जिम्मा : नमामि गंगे परियोजना के तहत पूरे कार्यक्रम का संयोजन तथा क्रियान्वयन जर्मनी की एक बहुराष्ट्रीय संस्था जीआईजेड कर रही है। नेशनल वाटर एकेडमी खड़गवासला, पुणे में आयोजित मास्टर ट्रेनर्स के ट्रेनिंग प्रोग्राम में प्रशिक्षकों का दल यूरोप से भारत आया है। दल के सदस्य यूरोप में रिवर बेसिन मैनेजमेंट के क्षेत्र में किए उत्कृष्ट कार्यों की संपूर्ण जानकारी देंगे। इससे भारत में रिवर बेसिन मैनेजमेंट का कार्य सुगमता से हो सकेगा।

प्रदेश में आधा दर्जन से अधिक जिलों से गुजरती है गंगा

प्रदेश में पटना, आरा, बक्सर, वैशाली, छपरा, भागलपुर, मुंगेर, बेगुसराय, खगड़िया, कटिहार आदि जिले से होकर गंगा निकली है। प्रो. राणा सिंह एवं प्रो. रंजीत तिवारी की जवाबदेही होगी कि वे बिहार में गंगा किनारे के जिलों में रिवर बेसिन मेनेजमेंट के ट्रेनर केंद्र सरकार के अनुदेशों के अनुसार तैयार करें। इन ट्रेनर्स को सीआइएमपी या अन्यत्र जगह पर आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिर ये ट्रेनर गंगा किनारे के निवासियों को प्रशिक्षित करेंगे। ये लोग गंगा की पारिस्थितिकी कायम रखने का प्रयास करेंगे।

Danik Jagran ! Page No - 04 ! Date - 29-08-2022 !